B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : DSE-1

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

প্রশ্নপত্রেঽস্মিন্ **Group-A** চ **Group-B** ইতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে। পরীক্ষার্থিভিঃ সাবধানতয়া স্বপঠিত একো বিভাগো নিশ্চেতব্যঃ। ততশ্চ যথানির্দেশং প্রশ্নাঃ সমাধাতব্যাঃ।

প্রশ্নপত্রে **Group-A** ও **Group-B** দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীগণ সাবধানের সঙ্গে নিজ পাঠ্য একটি বিভাগ থেকে যথানির্দিষ্ট প্রশ্নের উত্তর সমাধান করবে।

Group-A

(Dramaturgy)

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু *দশপ্রশ্নাঃ* সংস্কৃতভাষয়া অবশ্যমেব দেবনাগরী লিপিমাশ্রিত্য চ সমাধেয়াঃ। 2×10=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও অবশ্যই দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) পতাকাপ্রকর্য্যোঃ ভেদদ্বয়ং লিখ্যতাম।
পতাকা ও প্রকরীর মধ্যে দুটি ভেদ লেখো।

(b) নাটিকায়াঃ বৈশিষ্ট্যদ্বয়ং লিখ্যতাম।
নাটিকার দুটি বৈশিষ্ট্য লেখো।

(c) কা খলু বীথিঃ?
বীথি কী?

(d) সাহিত্যদর্পণানুসারং অঙ্কস্য বৈশিষ্ট্যদ্বয়ং লিখ্যতাম।
সাহিত্যদর্পণ অনুসারে অঙ্কের দুটি বৈশিষ্ট্য লেখ।

(e) নাটকে অর্থোপক্ষেপকস্য কিং প্রয়োজনং?
নাটকে অর্থোপক্ষেপকের প্রয়োজনীয়তা কী?

(f) চম্পূকাব্যং কিম্?
চম্পূকাব্য বলতে কী বোঝো?

(g) নাটকে কিয়ন্তঃ সন্ধয়ঃ সন্তি? কে চ তে?
নাটকে কয়টি সন্ধি থাকে? কী কী?

(h) সাহিত্যদর্পণস্য রচয়িতা কঃ? 'সাহিত্যদর্পণঃ' শব্দস্য কোঽর্থঃ?
সাহিত্যদর্পণের রচয়িতা কে? 'সাহিত্যদর্পণ' শব্দটির অর্থ কী?

(i) दृश्यकाव्यं कथं रूपकम् इति नाम्ना अभिधीयते?
দৃশ্যকাব্যকে কেন রূপক বলা হয়?

(j) प्रकरणस्य उदाहरणं दीयताम? प्रकरणस्य मुख्यरसः कः?
প্রকরণের একটি উদাহরণ দাও। এর মুখ্যরস কী?

(k) संक्षिप्ता टीका लेखनीया–वीजम् *अथवा* भानः
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো— বীজ *অথবা* ভান

(l) को नाम वाचिकाभिनयः?
বাচিক অভিনয় বলতে কী বোঝো?

(m) आमुखं नाम किम्? आमुखस्य नामान्तरं लेखनीयम्।
আমুখ কী? এর নামান্তর লেখো।

(n) रङ्गद्वारं किम्?
রঙ্গদ্বার বলতে কী বোঝো?

(o) अर्थोपक्षेपकः कतिविधः? नामानि लेखनीयानि।
অর্থোপক্ষেপক কয়প্রকার? নামগুলি লেখো।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयस्य* उत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रश्नद्वयमवश्यमेव संस्कृतभाषया समाधेयम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো চারটির* উত্তর দাও। *দুটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) व्याख्यायताम–भवेत् प्रकरणे वृत्तं लैकिकं कविकल्पितम्।
ব্যাখ্যা করো—ভবেৎ প্রকরণে বৃত্তং লৌকিকং কবিকল্পিতম্।

(b) तथाप्यवश्यं कर्त्तव्या नान्दीविघ्नोपशान्तये — आलोच्यताम्।
আলোচনা করো— তথাপ্যবশ্যং কর্ত্তব্যা নান্দীবিঘ্নোপশান্তয়ে।

(c) 'भवेदभिनयोऽवस्थानुकारः' — व्याख्या कार्या।
ব্যাখ্যা করো — ভবেদভিনয়োঽবস্থানুকারঃ

(d) संक्षिप्ता टीका लेखनीया — नाटिका *अथवा* विरुधः
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো — নাটিকা *অথবা* বিরুধ

(e) प्रहसनं किम्? उदाहरणयोगेन आलोच्यताम्।
প্রহসন কাকে বলে? উদাহরণ দিয়ে আলোচনা করো।

(f) 'कार्यो निर्वहणेऽद्भुतम्' — व्याख्या कार्या।
ব্যাখ্যা করো — কার্যো নির্বহণেঽদ্ভুতম্

3. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु *द्वयस्य* उत्तरं प्रदेयम् : 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) वृत्तिः का भवति? कतिविधा सा? के च वृत्तिभेदाः? सोदाहरणम् आलोच्यन्ताम्।
বৃত্তি কী? এটি কয় প্রকার? বৃত্তির প্রকারভেদগুলি উদাহরণসহ আলোচনা করো।

(b) नाट्यशास्त्रे अवस्था का? कतिविधा च सा? सोदाहरणमालोच्यताम्।
নাট্যশাস্ত্রে অবস্থা কী ? এটি কয় প্রকার? উদাহরণসহ আলোচনা করো।

(c) का खलु प्रस्तावना? सा कतिविधा:? उदाहरण सहयोगेन आलोच्यताम।
প্রস্তাবনা কী? ইহা কয় প্রকার? উদাহরণ সহযোগে আলোচনা করো।

(d) साहित्यदर्पणे उक्तं नाटकलक्षणं व्याख्यायताम्।
সাহিত্যদর্পণে উক্ত নাটক লক্ষণ ব্যাখ্যা করো।

अथवा,
অথবা,

Group-B
(Maxims in Sanskrit Language)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *दशप्रश्नानामुत्तरम्* अवश्यमेव संस्कृतभाषया देवनागर्या च समाधेयम्। 2×10=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরীতে লিখতে হবে ঃ

(a) 'हितोपदेश:' इति ग्रन्थस्य रचयिता क:?
হিতোপদেশ গ্রন্থের রচয়িতা কে?

(b) 'हितोपदेश:' इति ग्रन्थस्य मङ्गलाचरणं श्लोकं लेखनीयम्।
হিতোপদেশ গ্রন্থের মঙ্গলাচরণ শ্লোক লেখো।

(c) हितोपदेशे शास्त्रप्रशंसा विषये किमुक्तम्?
হিতোপদেশে শাস্ত্র প্রশংসা বিষয়ে কী বলা হয়েছে?

(d) प्रतिशब्दान् दीयताम् — बैरी, काञ्चनम्, गिरि:, भार्या
প্রতিশব্দ লেখো — বৈরী, কাঞ্চন, গিরি, ভার্যা

(e) 'धर्मेण हीना: पशुभि: समाना:' — अन्तर्निहितार्थं लिख्यताम्।
অন্তর্নিহিতার্থ লেখো — 'ধর্মেণ হীনাঃ পশুভিঃ সমানাঃ'

(f) 'गुण प्रशंसा' लेखनीया।
গুণের প্রশংসা লেখো।

(g) प्रत्ययनिर्णयं कुरु – निहत्य, समर्पितवान्।
প্রত্যয় নির্ণয় কর—নিহত্য, সমর্পিতবান্।

(h) कस्य जन्म निरर्थकम्?
কার জন্ম নিরর্থক?

(i) मूर्ख: जन: कथं शोभते?
মূর্খ জন কীরূপে শোভা পায়?

(j) पाटलिपुत्रनामधेयं नगरम् कुत्र आसीत्? क: खलु सुदर्शन:?
পাটলিপুত্র নগরী কোথায়? সুদর্শন কে?

(k) पुरुषेण प्रयत्नं कथं करणीयम्?
পুরুষ কেন উদ্যোগী হবেন?

(l) 'अनभ्यासे विषं विद्या अजीर्णे भोजनं विषम्'– स्पष्टी क्रियताम्।
বক্তব্যটি স্পষ্ট কর — অনভ্যাসে বিষং বিদ্যা অজীর্ণে ভোজনং বিষম্।

(m) सन्धिविच्छेद: करणीय:– एकश्चन्द्रस्तम:, नीतिस्तुदिह
সন্ধিবিচ্ছেদ করো— একশ্চন্দ্রস্তমঃ, নীতিস্তুদিহ

(n) 'स हि गगनविहारी कल्मषध्वंसकारी'- कः खलु सः? 'कल्मष' शब्दस्य अर्थः लिख्यताम्।
'সহি গগন বিহারী কল্মষধ্বংসকারী'—
এখানে সঃ কে? 'কল্মষ' শব্দের অর্থ কী?

(o) हितोपदेशस्य प्रशंसासूचकस्य श्लोकस्य वक्तव्यं लिख्यताम्।
হিতোপদেশের প্রশংসাসূচক শ্লোকটির বক্তব্য লেখ।

2. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु *प्रश्नचतुष्टयं* समाधेयम्। तेषु *प्रश्नद्वयं* संस्कृत भाषया लेखितव्यम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। সেগুলির মধ্যে *দুটি* সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) मातृभाषायाम्अनुवादं क्रियताम् (মাতৃভাষায় অনুবাদ করো)।

हीयते हि मतिस्तात! हीनैः सह समागमात्
समैश्च समतामेति विशिष्टैश्च विशिष्टताम्।।

(b) भावसम्प्रसारणं क्रियताम् (ভাবসম্প্রসারণ কর)।

परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते?

(c) कः खलु नीलकण्ठः? केन कारनेन स 'नीलकण्ठः' इति उच्यते? पौराणिकाख्यानं विब्रियताम्।
নীলকণ্ঠ কে? তাকে নীলকণ্ঠ বলা হয় কেন? পৌরাণিক গল্পটি বর্ণনা করো।

(d) व्याख्यायताम् (ব্যাখ্যা কর)।

उद्यमेन हि सिद्धन्ति कार्यानि न मनोरथैः
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

(e) असत् पुत्रात् सत्पुत्रः कथं काम्यः?– आलोच्यताम्।
অসৎ পুত্র থেকে সৎ পুত্র কাম্য কেন? আলোচনা করো।

(f) 'तथा तत्सन्निधाने मूर्खो याति प्रवीणताम्'– अत्र कः खलु वक्ता? उक्तेरस्यां तात्पर्य्यं किम्?
'তথা তৎসন্নিধানে মূর্খো যাতি প্রবীণতাম্'— এখানে বক্তা কে? এই উক্তিটির তাৎপর্য কী?

3. अधोलिखितेषु *द्वयोः* प्रश्नयोः उत्तरं देयम् : 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটির* উত্তর দাও।

(a) हितोपदेशस्य पाठ्यांशे विधृतान् उपदेशान् संक्षेपेण आलोचयत।
হিতোপদেশের পাঠ্যাংশে বিধৃত উপদেশগুলি সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(b) विष्णुशर्मणः सुदर्शनस्य च वाक्यालापं स्वभाषया लिखत।
বিষ্ণুশর্মা ও সুদর্শনের বাক্যালাপ নিজের ভাষায় লেখো।

(c) दैव-पुरुषाकारविषये हितोपदेशस्य का नीतिः?
দৈব-পুরুষাকার বিষয়ে হিতোপদেশের নীতি কী?

(d) निबन्धरचनां कुरु– 'संस्कृतसाहित्ये हितोपदेशः'
নিবন্ধ রচনা করো— সংস্কৃতসাহিত্যে হিতোপদেশ।